

मूंगरा पुं. (देश.) मूंग की दाल से बनने वाला एक नमकीन।

मूंगरी स्त्री. (देश.) एक प्रकार की तोप।

मूंगा पुं. (देश.) समुद्र में पाया जाने वाला एक लाल रंग का रत्न।

मूंगिया वि. (देश.) मूंग के दानों के रंग का; जैसे- मूंगिया साड़ी पुं. उक्त रंग का कपड़ा।

मूंगी वि. (देश.) मूंगे के रंग जैसा लाल।

मूँछ पुं. (देश.) 1. पुरुषों तथा कुछ अन्य जीव जंतुओं के ऊपर वाले ओष्ठ के ऊपर के बाल; पौरुष के लक्षण मुहा. मूँछो पर ताव देना- अकड़ दिखाना; मूँछे नीची होना- अपमान होना, लज्जित होना।

मूँज पुं. (तद्.) सरकंडों के ऊपरी भाग का छिलका जिसे कूट कर चारपाइयाँ बनाने के लिए बान (एक प्रकार की रस्सी) बनाई जाती है।

मूँड़ पुं. (तद्.) सिर कपाल मुहा. मूँड़ मुड़ाना- सिर के बाल कटवा कर किसी साधु-संन्यासी का शिष्य बनना उदा. नार मुई गृह संपत्ति वासी, मूँड़ मुड़ाय भये संन्यासी -तुलसी।

मूँड़न पुं. (तद्.) सिर के बाल उतरवाना, मुंडन।

मूँड़ना स.क्रि. (देश.) 1. उस्तरे से सिर के बाल उतारना 2. छल-कपट से किसी का धन ले लेना।

मूँड़ी स्त्री. (देश.) सिर, मस्तक, मूँड़।

मूँड़ीबंध पुं. (देश.) कुश्ती का एक दाव।

मूँदना स.क्रि. (देश.) 1. किसी वस्तु पर कोई चीज डाल कर वस्तु को छिपाना, आच्छादित करना, ढकना 2. किसी छेद आदि को बंद करना 3. आँखों की दोनों पलकों को इस प्रकार मिलाना कि देखने का काम बंद हो जाए जैसे- आँखे मूँद लेना।

मूँदर स्त्री. (देश.) मूँदरी, अँगूठी।

मूँध स्त्री. (देश.) मुग्धा, मुग्ध होने वाली।

मूआ वि. (तद्.) 1. मरा हुआ, मृत 2. गाली के रूप में प्रयुक्त विशेषण जैसे- मूआ, सफेदी वाला अभी तक नहीं आया।

मूक वि. (तत्.) 1. जो बोलने में असमर्थ हो; गूँगा 2. दीन-हीन लाचार।

मूकता स्त्री. (तत्.) मूक होने की स्थिति अथवा भाव।

मूकना स.क्रि. (तद्.) 1. मुक्त करना 2. पृथक कर देना 3. छोड़ देना, त्याग देना।

मूकिमा स्त्री. (तत्.) मूक होने की स्थिति अथवा भाव, मूकता।

मूजिद पुं. (अर.) ईजाद (आविष्कार) करने वाला, आविष्कारक।

मूजी वि. (अर.) 1. दुःख देने वाला, अत्याचारी 2. दुर्जन, खल 3. अत्यधिक कंजूस, परम कृपण।

मूझना अ.क्रि. (देश.) 1. मुरझाना 2. मूर्छित होना।

मूठ स्त्री. (तद्.) 1. मुट्ठी 2. औजार या हथियार का वह भाग जो मुट्ठी में पकड़ा जाता है 3. दस्ता 4. जादू-टोना मुहा. मूठ चलाना- जादू या टोना करना।

मूठना अ.क्रि. (तद्.) नष्ट होना।

मूठाली स्त्री. (देश.) तलवार।

मूढ वि. (तत्.) जिसे करणीय और अकरणीय का लेश मात्र भी ज्ञान न हो, परम मूर्ख, बेवकूफ उदा. 'मूढ न जानत मोहि खरारि'-मानस।

मूठि स्त्री. (देश.) 1. मुट्ठी 2. मूठ।

मूड़ पुं. (देश.) सिर, कपाल।

मूड़ी काटा वि. (देश.) जिसका सिर काटने के लायक हो, धूर्त, परम दुष्ट।

मूठी स्त्री. (देश.) मुट्ठी।

मूढगर्भ पुं. (तत्.) ऐसा गर्भ जिससे संतान का जन्म हो सके, विकृत गर्भ।

मूढता स्त्री. (तत्.) मूढ होने की स्थिति या भाव, मूर्खता, अज्ञानता।

मूढ-वात पुं. (तत्.) 1. शरीर के किसी कोश (भाग) में रुकी हुई वायु 2. तूफान।